यूपी के बजट में नई योजनाओं के लिए 24 हजार करोड़, महिलाओं-युवाओं और किसानों के उत्थान पर जोर

लोकमंगल का महाबजट

लोककल्याण के संकल्प के साथ योगी सरकार ने अपना आठवां बजट पेश किया। बजट में यूपी की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर बनाने के लिए एक और कदम बढ़ाया गया है।

■ हेमंत श्रीवास्तव

लखनऊ। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का आह्लाद और आनंद सोमवार को विधानसभा में पेश अब तक के सबसे बड़े बजट में भी बखूबी दिखाई दिया। वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में प्रस्तुत 2024-25 के राज्य बजट के दौरान कई बार प्रभु श्रीराम का नाम लिया और रामचरित मानस की चौपाइयां पढ़ीं। आस्था-अध्यात्म, बुनियादी ढांचे के विकास, महिलाओं, युवाओं और किसानों के कल्याण पर केंद्रित इस बजट का आकार 7 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये है। इसमें 24 हजार 863 करोड़ 57 लाख रुपये की नई योजनाएं शामिल हैं। विकास कार्यों के लिए 2 लाख 3 हजार 782 करोड़ 38 लाख रुपये रखे गए हैं। युवाओं के रोजगार के लिए जहां 1000 करोड़ रुपये का इंतजाम किया गया है। वहीं धर्मार्थ कार्यों-निर्माण के लिए 4547 करोड़ रुपये का इंतजाम किया गया है। महाकुंभ 2025 के आयोजन के लिए 2,600 करोड़ और अयोध्या हवाई अड्डे के विस्तार के लिए 150 करोड़ रुपये का भी प्रस्ताव किया गया है। यह बजट 15103.89 करोड़ रुपये के घाटे का है।

बालकांड के दोहे से बजट भाषण की शुरुआत वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने की। उन्होंने कहाः 'जिमि सरिता सागर मुंह जाही। जद्यपि ताहि कामना नाहीं।। तिमि सुख संपति बिनहिं बोलाएं। धरमसील पहिं जाहिं सुभाएं।।' दोहे की व्याख्या करते हुए खन्ना ने कहा कि धर्मशील व्यक्ति के पास धन संपदा स्वतः आ जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि जब ऐसे धर्मशील मुख्यमंत्री हों तो मुश्किल क्या। सुरेश खन्ना ने सरकार की नीतियों की झलक देते हुए बताया कि सरकार रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने की तरफ बढ़ रही है। यह बजट युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों के कल्याण पर केंद्रित है। सरकार ने धर्मस्थलों की सड़कों के निर्माण के लिए भारी भरकम राशि के रूप में 1750 करोड़ रुपये का इंतजाम किया।

वहीं युवाओं को रोजगार से जोड़ने की योजनाओं के लिए भरपूर बजट का इंतजाम करने के साथ ही मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान नाम से नई योजना भी शुरू करने की घोषणा की गई है। इसके लिए 1000 करोड़ रुपये का इंतजाम किया गया है।

लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना सोमवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट पेश करने के लिए पहुंचे।

7.36

लाख करोड़ रुपये है इस बार यूपी के बजट का आकार

> भगवान श्रीराम लोकमंगल के पर्याय हैं। यह बजट प्रदेश के समग्र और संतुलित विकास का दस्तावेज है, जिससे समग्र संकल्पनाओं को पूरा किया जाएगा। सरकार का ये 8वां बजट प्रदेश के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बजट है। इस बजट में 2023-24 की तुलना में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।
> -योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

> सरकार रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने की तरफ बढ़ रही है। यह बजट युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों के कल्याण पर केंद्रित है। धर्मस्थलों की सड़कों के निर्माण के लिए 1750 करोड़ और धार्मिक पर्यटन स्थलों के विकास को 4547 करोड़ का भारी भरकम बजट दिया गया है।
> -सुरेश खन्ना, वित्त मंत्री

01 धर्मार्थ कार्य और विकास

धर्मस्थलों की सड़कों के निर्माण के लिए1750 करोड़ रुपये का इंतजाम किया। धार्मिक पर्यटन स्थलों व कुंभ समेत धर्म व संस्कृति विकास को 4547 करोड़ का बजट दिया गया है।

4547 करोड़ धर्मार्थ कार्यों और निर्माण के लिए

02 मुफ्त टैबलेट और मोबाइल

स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के अंतर्गत मुफ्त टैबलेट व स्मार्टफोन के लिए 4000 करोड़ की व्यवस्था की है। पिछले साल 25 लाख युवाओं को इसका लाभ मिला।

4000 करोड़ मुफ्त टैबलेट व मोबाइल के लिए

03 युवा उद्यमी विकास अभियान

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान नाम से नई योजना की घोषणा। युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर नये सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना के लिए अभियान शुरू होगा।

1000 करोड़ का प्रावधान बजट में किया गया

04 गंगा एक्सप्रेस वे परियोजना

गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना के लिए 2057.76 करोड़ और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को जोड़ने के लिए नये लिंक निर्माण को 500 करोड़।

2057 करोड़ गंगा एक्सप्रेस वे परियोजना को

05 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर जोर

एफडीआई, फॉर्च्यून ग्लोबल 500 और फार्च्यून इंडिया 500 कंपनियों के निवेश को आकर्षित करने के लिए नई नीति के तहत निवेशकों को जमीन पर 75 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

250 करोड़ नई नीति के अमल के लिए